जनसत्ता 15 सतिंबर, 2014: मौजूदा वकिास नीतपिूंजीवादी व्यवस्था को मजबूत कर रही है□ धरती को खोखला करके हो रही प्राकृतकि संसाधनों की लूट को वकिास बता कर जन-साधारण को छला जा रहा है□ वकिास के नाम पर पर्यावरण को भारी नुकसान पहुंचाया जा रहा है□ जीवन मूल्यों का संकट गहरा रहा है□ आम आदमी को वकिास की अंधी दौ□ में फंसा□ जाने से समस्या□ं वकिराल रूप धारण कर ली हैं□ मूलभूत आवश्यकताओं की पूर्तकिे लि□ सरकार की नीयत और नीतमिें खोट होने से जनवरिोधी कामों को ब□ावा मलि रहा है□ मध्यप्रदेश की शविराज सरकार ने वकिास मरीचकि का भ्रमजाल फैला कर पूरे प्रदेश को बहुराष्ट्रीय कंपनयिों और ब□ घरानों के शकिंजे में कस दयिा है□ प्रदेश को अंतरराष्ट्रीय चारागाह बनाने का दुश्चक्र काफी खतरनाक साबति होगा!

मुख्यमंत्री शविराज सहि चौहान ‘नविेशक सम्मेलन’ आयोजन के माध्यम से वदिेशी कंपनयिों और ब□ घरानों को खुला आमंत्रण देकर उन्हें भारी लाभ पहुंचाने के लि□ प्रदेश की अस्मता के साथ क्रूर खलिवा□ कर रहे हैं□ प्रदेश का आम आदमी महंगाई, भ्रष्टाचार, गैर-बराबरी, लूट-खसोट और आतंक के राज में जीने को वविश है□ उसकी कहीं कोई सुनवाई नहीं है□ जबरा मारे और रोने न दे की कहावत चरतिार्थ हो रही है□ कुटीर उद्योगों की भारी अनदेखी हो रही है□ बाहर से ब□ पूंजीपतआिकर रीवा को लूटने में लगे हु□ हैं□

□□□ □□□, □□□□

फेसबुक पेज को लाइक करने के लि□ क्लकि करें- https://www.facebook.com/Jansatta

ट्वटिर पेज पर फॉलो करने के लि□ क्लकि करें- https://twitter.com/Jansatta